डिस्काउंट पर चीनी बेचने को मजबूर मिलें

[जयश्री भोसले | पुणे]

महाराष्ट्र की शुगर मिल्स 10 पर्सेंट डिस्काउंट पर चीनी बेच रही हैं। मिलों के पास नकदी की कमी है। वहीं लगातार पांचवें फाइनेंशियल ईयर में चीनी का बंपर प्रॉडक्शन होने जा रहा है। देश में सबसे अधिक शुगर प्रॉडक्शन महाराष्ट्र में ही होता है।

एक व्यापारी ने बताया कि मिलें पेराई सत्र के एक-दो महीने पहले ही चीनी 2 से 3 रुपये किलो कम भाव पर बेच रही हैं। एक अन्य सूत्र ने बताया कि एक्स-मिल प्राइस से कम रेट पर चीनी बेचने के बावजूद कुछ ही मिलों ने गन्ना किसानों को पैसा चुकाया है, जबकि शुगर सीजन शुरू हुए एक महीना हो चुका है।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने बताया,' चीनी के दाम में एक हफ्ते में ही एक रुपये किलो तक गिर चुके हैं। वहीं सीजन शुरू होने के बाद से इसमें 2.5 रुपये किलो की कमी आई है।' हालांकि राज्य सरकार ने पहले ही परचेज टैक्स माफ कर दिया है, लेकिन शुगर इंडस्ट्री और आर्थिक मदद मांग रही है। ट्रेडर्स का कहना है कि कई चीनी मिलों ने सरकार से राहत पैकेज की आस में एफआरपी से भी कम भुगतान किया है। हालांकि राज्य के शुगर कमिश्नरेट ने एफआरपी से कम पेमेंट पर कई मिलों को लीगल नोटिस भी दिया है।

पश्चिमी महाराष्ट्र की चीनी मिल के मालिक ने कहा, 'राज्य की नई सरकार में ऐसे कई मिनिस्टर हैं, जो शुगर इंडस्ट्री से सीधे जुड़े हैं। सरकार ने पहले ही सूखा प्रभावित क्षेत्रों किसानों के लिए राहत पैकेज दिया है। लेकिन अब राज्य सरकार से शायद ही इंडस्ट्री को कोई मदद मिले।'

Economic times
20/12/14